वानिकी समाचार

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्

वर्ष 14 सं. 12
दिसंबर 2022

अनुक्रमणिका

शासक मंडल की 60वीं बैठक में भागीदारी	01
आजादी का अमृत महोत्सव	01
महत्वपूर्ण अनुसंधान निष्कर्ष	03
परामर्श कार्य	03
कृषि मेला/विज्ञान मेला में भागीदारी	04
कार्यशालाएं/सेमिनार/बैठकें	04
प्रशिक्षण कार्यक्रम	05
प्रकाशन	09
वन विज्ञान केंद्र के अंतर्गत गतिविधियां	10
समझौता ज्ञापन/अनुबंध	10
प्रकृति कार्यक्रम	10
जागरूकता एवं प्रदर्शन कार्यक्रम	11
संस्थानों का दौरा	13
विविध	13
आकाशवाणी/दूरदर्शन के माध्यम से वानिकी का लोकप्रियकरण	13
मानव संसाधन समाचार	14

शासक मंडल की 60वीं बैठक में भागीदारी

भा.वा.अ.शि.प. के शासक मंडल (बीओजी) की 60वीं बैठक 13 दिसंबर 2022 को नई दिल्ली में आयोजित की गई थी। सुश्री लीना नंदन, सचिव सरकार, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने बैठक की अध्यक्षता की। बैठक के दौरान महत्वपूर्ण नीतिगत मामलों पर चर्चा की गई और भा.वा.अ.शि.प. के वार्षिक प्रतिवेदन 2021–22 को मंजूरी दी गई।

आजादी का अमृत महोत्सव

- भा.वा.अ.शि.प.–व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बत्तूर द्वारा 5 दिसंबर 2022 को विश्व मृदा दिवस 2022 मनाया गया। छात्रों और आम जनता के लिए मृदा पर एक जागरूकता प्रश्नोत्तरी भी आयोजित की गई थी।
- भा.वा.अ.शि.प.–उ.व.अ.सं., जबलपुर द्वारा 9 दिसंबर 2022 को अंडरस्टैंडिंग लाइफ मूवमेंट पर एक कार्यक्रम का संचालन किया गया। कार्यक्रम में केंद्रीय विद्यालय, उ.व.अ.सं. के संकाय सदस्यों और प्राचार्य सहित विद्यार्थियों ने भाग लिया।
- भा.वा.अ.शि.प.–हि.व.अ.सं., शिमला द्वारा वूमेन मूव माउंटेन थीम के अंतर्गत अंतर्राष्ट्रीय पर्वत दिवस 2022 मनाया गया। दिनांक 11 दिसंबर 2022 को आयेजित इस कार्यक्रम में वैज्ञानिकों, अधिकारियों सहित क्षेत्रीय कर्मचारियों ने ऑफलाइन और ऑनलाइन मोड के माध्यम से भाग लिया।

भा.वा.अ.शि.प.–उ.व.अ.सं., जबलपुर द्वारा अंडरस्टैंडिंग लाइफ मूवमेंट पर कार्यक्रम आयोजित किया गया

भा.वा.अ.शि.प.–हि.व.अ.सं., शिमला द्वारा अंतर्राष्ट्रीय पर्वत दिवस 2022 मनाया गया

- भा.वा.अ.शि.प.–व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बत्तूर द्वारा 12 दिसम्बर 2022 को अंतर्राष्ट्रीय पर्वत दिवस 2022 मनाया गया। कार्यक्रम के दौरान वन आनुवंशिक संसाधनों के महत्व एवं संरक्षण और पर्वतीय पारितंत्र के संरक्षण में उनकी भूमिका के बारे में बताया गया।

- भा.वा.अ.शि.प.–उ.व.अ.सं., जबलपुर द्वारा 12 दिसंबर 2022 को प्रायोगिक भूखंड पर और 16 दिसंबर 2022 को किसानों के खेत में कृषि वानिकी के अंतर्गत वृक्षों के प्रबंधन का प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया।

- भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं., जोरहाट द्वारा 14 से 16 दिसंबर 2022 तक अरुणाचल प्रदेश के नामदाफा जंगल कैंप, मियाओ, चांगलांग जिले में बांस प्ररोह प्रसंस्करण और मूल्यवर्धन पर कौशल विकास प्रशिक्षण का आयोजन किया गया।

- भा.वा.अ.शि.प.–व.जै.सं., हैदराबाद द्वारा 16 दिसंबर 2022 को भारत की भाषाओं पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मल्ला रेड्डी विश्वविद्यालय, हैदराबाद के बी.एससी. कृषि छात्रों ने भाग लिया।

भा.वा.अ.शि.प.–उ.व.अ.सं., जबलपुर द्वारा कृषिवानिकी के अंतर्गत वृक्षों के प्रबंधन के प्रदर्शन पर कार्यक्रम आयोजित किया गया

भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं., जोरहाट द्वारा बांस प्ररोह प्रसंस्करण और मूल्य वर्धन पर कौशल विकास प्रशिक्षण का आयोजन किया गया

- भा.वा.अ.शि.प.–हि.व.अ.सं., शिमला द्वारा 18 दिसंबर 2022 को उत्पादकता संवृद्धि और आय सृजन के लिए कृषि वानिकी पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। शिमला जिले के कोटि क्षेत्र के किसानों, अधिकारियों और अग्रिम पंक्ति के कर्मचारियों, हिमाचल प्रदेश राज्य वन विभाग ने कार्यक्रम में भाग लिया।

- भा.वा.अ.शि.प.–व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बत्तूर द्वारा तमिलनाडु वन विभाग के अधिकारियों के लिए 21 और 22 दिसंबर 2022 को वनस्पति प्रवर्धन तकनीकों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। तमिलनाडु के पांच जिलों से रेंज अधिकारियों और वनकर्मियों ने प्रशिक्षण में भाग लिया।

भा.वा.अ.शि.प.–हि.व.अ.सं., शिमला द्वारा उत्पादकता संवृद्धि और आय सृजन हेतु कृषि वानिकी पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया

भा.वा.अ.शि.प.–व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बत्तूर द्वारा वानस्पतिक प्रवर्धन तकनीकों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया

- भा.वा.अ.शि.प.–का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु द्वारा 26 दिसंबर 2022 को भारत में काष्ठ के प्रमाणन के लिए कृषिवुड मानकों पर वेबिनार का आयोजन किया। कार्यक्रम में विभिन्न हितधारकों, का.वि.प्रौ.सं. के वैज्ञानिकों और कर्मचारियों सहित लगभग 45 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

- दिनांक 27.12.2022 को भा.वा.अ.शि.प.–शु.व.अ.सं., जोधपुर द्वारा आदिवासियों के लिए वनोपज के संबंध में किए गए कार्य पर व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

- भा.वा.अ.शि.प.–हि.व.अ.सं., शिमला द्वारा 28 दिसंबर 2022 को हिमालयी क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन के प्रभाव पर एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में वैज्ञानिकों, अधिकारियों, कर्मचारियों सहित क्षेत्र कर्मचारियों ने भाग लिया।

- भा.वा.अ.शि.प.–व.जै.सं., हैदराबाद द्वारा 30 दिसंबर 2022 को वन में एकल उपयोग प्लास्टिक पर ठोस अपशिष्ट प्रबंधन और प्रभाव विषय पर एक स्वच्छता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मल्ला रेड्डी विश्वविद्यालय, हैदराबाद के बी.एससी कृषि छात्रों ने भाग लिया।

भा.वा.अ.शि.प.–हि.व.अ.सं., शिमला द्वारा हिमालयी क्षेत्र में जलवायु परिवर्तन के प्रभाव पर एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया

भा.वा.अ.शि.प.–व.जै.सं., हैदराबाद द्वारा वन में एकल उपयोग प्लास्टिक पर ठोस अपशिष्ट प्रबंधन और प्रभाव विषय पर स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित किया गया

महत्वपूर्ण अनुसंधान निष्कर्ष

वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बत्तूर

- हाइड्रोलिक ट्री रिच बायोबूस्टर पेलेट बनाने की मशीन स्थापित की गई और डीएसटी वित्तपोषित परियोजना "आदिवासियों को उनकी आजीविका सहायता के लिए शामिल कर कचरे से खाद का विकास: स्वच्छ भारत मिशन का एक हिस्सा" के अंतर्गत मैसर्स श्री साई, श्री रंगनाथर और श्री सिद्धिविनयगर महिला स्वयं सहायता समूह, रायरूरपथी इरुलर आदिवासी बस्ती, रायरूरपथी, नाइकेनपालयम ग्राम पंचायत, रेपियानिकेनपालयम, कोयम्बटूर को उनकी आजीविका सहायता के लिए सौंप दी गई।

- *टेरोकार्पस संटालिनस* (रक्त चंदन) के पहले ड्राफ्ट जीनोम को अनुक्रमित, एकत्र और एनोटेट किया गया। कुल 51,713 कंसेंसस जीन सेट का पूर्वानुमान किया गया और सार्वजनिक डेटाबेस का उपयोग करके 31,437 जीनों की व्याख्या की गई। 30–39 मिलियन वर्ष पहले पूरे जीनोम दोहराव की घटना का पूर्वानुमान किया गया। जीन कुल विश्लेषण ने सूखे के प्रति अनुक्रियाशील जीन कुलों का महत्वपूर्ण विस्तार प्रस्तुत किया, जो संभवतः शुष्क चट्टानी पैच में प्रजातियों की उपस्थिति की व्याख्या करता है।

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्, देहरादून

- प्रजाति के आकलन के अंतर्गत उत्तरी भारत के शिवालिक परिदृश्य में हेटेरोसेरा (पतंगे) की विविधता और डेटाबेस का विकास किया गया। शलभ डेटाबेस को उनकी छवियों के साथ अब तक दर्ज 10 कुलों की 355 प्रजातियों में जोड़ा गया।

- *नियोलिट्सिया पेलन्स* के पर्ण से अलग किए गए सगंध तेल का विभाजन जीसी–ओडीपी का उपयोग करके किया गया और 14.50 से 44.20 मिनट के बीच के तीन अंशों को एकत्र किया गया। इन अंशों के जीसी–एमएस डेटा दर्ज किए गए और दस नीम के बीज के नमूनों से वसायुक्त तेल को सॉक्सलेट निष्कर्षण विधि का उपयोग करके अलग किया गया और उनकी सामग्री (डब्ल्यू/डब्ल्यू) 18.13%, 19.10%, 19.90%, 19.94%, 20.81%, 23.27%, 23.75%, 25.34%, 25.8% और 28.8% निर्धारित की गई।

- *हाइप्टिस सुवेलेंस* के हवाई भागों को मोहंड, देहरादून के बुढावन वन पौधशाला से एकत्र किया गया और हाइड्रोडिस्टिल किया गया। सगंध तेल को अलग कर दिया गया और इसकी सामग्री 0.15% निर्धारित की गई तथा बांकी और ललितपुर में *टर्मिनेलिया अर्जुना* की समष्टि को उनकी अर्जुजेनिन सामग्री (क्रमशः सत्त का 0.04 ग्राम/ग्राम और सत्त का 0.05 ग्राम/ग्राम) की छाल में उनके मेथनॉलिक सत्त के एचपीएलसी विश्लेषण द्वारा निर्धारित किया गया।

परामर्शी कार्य

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्, देहरादून

इस अवधि के दौरान दस विभिन्न वैज्ञानिक परामर्शी परियोजनाओं पर काम किया गया।

प्रस्तुत की गई अंतिम रिपोर्टः

1. साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड की गेवरा ओपन कास्ट परियोजना का पर्यावरण अंकेक्षण एसईसीएल, छत्तीसगढ़ को प्रस्तुत किया गया।
2. नॉर्थ करनपुरा कोलफील्ड, चकला, लातेहार, झारखंड में चकला ओपनकास्ट कोल ब्लॉक खदान के लिए जैव विविधता मूल्यांकन प्रभाव और प्रशमन उपाय मैसर्स हिंडाल्को इंडस्ट्रीज लिमिटेड, लातेहार, झारखंड को प्रस्तुत किए गए।
3. कुटेहर एचईपी की जैव विविधता संरक्षण और वन्यजीव प्रबंधन योजना जेएसडब्ल्यू एनर्जी (कुटेहर) लिमिटेड, चंबा, हिमाचल प्रदेश को सौंपी गई।

प्रस्तुत किए गए नए प्रस्तावः

1. वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड की मुंगोली–निर्गुडा डीप एक्सटेंशन ओपन कास्ट कोल माइन के संबंध में "वर्धा और पेंगंगा नदियों का तटवर्ती पारितंत्र अध्ययन" डब्ल्यूसीएल, महाराष्ट्र को प्रस्तुत किया गया।
2. खैरहा यूजी कोयला खदान के लिए पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा लागू पर्यावरण मंजूरी की शर्तों के अनुपालन का तृतीय पक्ष मूल्यांकन एसईसीएल, मध्य प्रदेश को प्रस्तुत किया गया।
3. मोइत्रा कोल ब्लॉक के लिए पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा लागू एफसी स्टेज–II की अनुपालन शर्त पर रिपोर्ट मेसर्स जेएसडब्ल्यू स्टील लिमिटेड, झारखंड को प्रस्तुत की गई।
4. सुंदरगढ़ जिले, ओडिशा में जलाशय के निर्माण के कारण क्षेत्र में संभावित मानव–वन्यजीव संघर्ष के प्रशमन सहित मृदा संरक्षण, पौधों की प्रजातियों की विविधता और विशेष रूप से वन्यजीव आवास के संदर्भ में करपानी सिंचाई परियोजना के संबंध में जलग्रहण क्षेत्र में सुधार के लिए अध्ययन।

कृषि मेला/विज्ञान मेला में भागीदारी

- भा.वा.अ.शि.प.–का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु ने 16 से 18 दिसम्बर 2022 को गुवाहाटी में नॉर्थ ईस्ट एक्सपो में भाग लिया।

भा.वा.अ.शि.प.–का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु द्वारा गुवाहाटी में नॉर्थ ईस्ट एक्सपो में भाग लिया गया

- भा.वा.अ.शि.प.–व.उ.सं., रांची ने 17 से 23 दिसंबर 2022 को पुत्सुरी मानव सेवा केंद्र, पुत्सुरी, बार्डमैन, पश्चिम बंगाल द्वारा आयोजित 22वें कृषि, स्वस्थ–ओ–सार्विक शिक्षा सचेतन मेले में भाग लिया।
- भा.वा.अ.शि.प.–का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु ने 21 से 26 दिसंबर 2022 तक देश भर के स्काउट्स और गाइड्स के छात्रों के लिए अल्वा एजुकेशन फाउंडेशन, मूडुबिदिरे, दक्षिण कन्नड़ जिले, कर्नाटक द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सांस्कृतिक जंबोरी 2022 – विज्ञान मेले में भाग लिया।

कार्यशाला/सेमिनार/बैठकें

क्र.सं.	विषय	तिथि	लाभार्थी
	भा.वा.अ.शि.प.–वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बत्तूर		
1.	चाय पे चर्चा पर जागरूकता बैठक	9 दिसंबर 2022	व.अ.वृ.प्र.सं. के संविदा कर्मचारी
	भा.वा.अ.शि.प.–हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला		
2.	विस्तृत परियोजना रिपोर्ट के कार्यान्वयन से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करने के लिए बैठक	1 दिसंबर 2022	पंजाब सरकार के अधिकारी और कर्मचारी

3.	वन उत्पादकता संवृद्धि हेतु वृक्ष सुधार पर संगोष्ठी	29 दिसंबर 2022	वैज्ञानिक, तकनीकी कर्मचारी, अनुसंधान विद्वान, परियोजना विद्वान और क्षेत्र कर्मचारी

भा.वा.अ.शि.प.–व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बत्तूर द्वारा जागरूकता बैठक– "चाय पे चर्चा" आयोजित की गई

भा.वा.अ.शि.प.–हि.व.अ.सं., शिमला द्वारा विस्तृत परियोजना रिपोर्ट के कार्यान्वयन से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करने के लिए बैठक आयोजित की गई

भा.वा.अ.शि.प.–वन जैवविविधता संस्थान, हैदराबाद			
4.	मत्स्यकारा संक्षेमा समिति के प्रदेश अध्यक्ष एवं प्रदेश महासचिव के साथ बैठक	28 दिसंबर 2022	10 मछुआरें
भा.वा.अ.शि.प.–वन उत्पादकता संस्थान, रांची			
5.	अनुसंधान प्रबंधन और प्रलेखन	28 दिसंबर 2022	राज्य वन विभाग, झारखंड

प्रशिक्षण कार्यक्रम

क्र.सं.	विषय	तिथि	लाभार्थी
भा.वा.अ.शि.प.–वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बत्तूर			
1.	वन और परिदृश्य पुनरुद्धार के लिए वृक्ष बीज स्रोतों की उपलब्धता का आकलन	28 नवम्बर से 2 दिसंबर 2022	इंडोनेशिया, भारत, फिलीपींस, बांग्लादेश और लाओस पीडीआर के प्रतिभागी

2.	सीड बॉल प्रौद्योगिकी पर व्यावहारिक प्रशिक्षण	6 दिसंबर 2022	छात्र

भा.वा.अ.शि.प.– हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला

3.	*जुनिपेरस पॉलीकार्पोस* (शुक्पा) की पौधशाला और वृक्षारोपण तकनीक	2 दिसंबर 2022	वैज्ञानिक, शोधकर्ता, किन्नौर वन प्रभाग के अग्रिम पंक्ति के अधिकारी और प्रगतिशील किसान

सीड बॉल टेक्नोलॉजी पर व्यावहारिक प्रशिक्षण

जुनिपेरस पॉलीकार्पोस की पौधशाला और रोपण तकनीकों पर प्रशिक्षण

4.	औषधीय पौधों की जैविक खेती में एएम जैवउर्वरक का अनुप्रयोग	12 दिसंबर 2022	किसान
5.	महत्वपूर्ण समशीतोष्ण औषधीय पौधों की खेती: विविधीकरण और आय वृद्धि हेतु विकल्प	13 दिसंबर 2022	कुल्लू जिले के जनना, नगर, पतलीकुल और इसके आसपास के क्षेत्रों के किसान

औषधीय पादपों की जैविक खेती में एएम जैवउर्वरक के अनुप्रयोग पर प्रशिक्षण

महत्वपूर्ण समशीतोष्ण औषधीय पादपों की खेती: विविधीकरण और आय वृद्धि हेतु एक विकल्प शीर्षक पर प्रशिक्षण

6.	वानिकी प्रथाओं में जैव–उर्वरकों और जैव–कीटनाशकों का अनुप्रयोग	14 से 16 दिसंबर 2022	अन्य हितधारक
7.	वनाग्नि का वैज्ञानिक प्रबंधन	21 दिसंबर 2022	राजगढ़ व सोलन वन प्रभाग के प्रगतिशील किसान व वन कर्मी
8.	समुदाय आधारित दृष्टिकोण के माध्यम से देशी परागणकारी और उनके खाद्य पौधों का संरक्षण	24 दिसंबर 2022	किसान

वनाग्नि के वैज्ञानिक प्रबंधन पर प्रशिक्षण

समुदाय आधारित दृष्टिकोण के माध्यम से देशी पोलिनेटरों और उनके खाद्य पादपों के संरक्षण पर प्रशिक्षण

भा.वा.अ.शि.प.–वन जैवविविधता संस्थान, हैदराबाद

9.	संवहनीय नीली अर्थव्यवस्था (ब्लू इकॉनोमी) के विकास में मैंग्रोव का महत्व	15 दिसंबर 2022	मछुआरा समुदाय
10.	संवहनीय विकास के लिए तटीय पारि–तंत्र का संरक्षण	22 दिसंबर 2022	छात्र

भा.वा.अ.शि.प.–शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर			
11.	नाजुक मरुस्थलीय पारि–तंत्र के संवहनीय विकास के लिए एकीकृत दृष्टिकोण	16 से 20 दिसंबर 2022	भा.व.से. अधिकारी
भा.वा.अ.शि.प.– वन उत्पादकता संस्थान, रांची			
12.	वानिकी अंतःक्षेपों के माध्यम से दामोदर और सुवर्णरेखा नदियों का कायाकल्प	19, 20 और 21 दिसंबर 2022	राज्य वन विभाग, दुर्गापुर वन प्रभाग, बांकुरा उत्तर और दक्षिण वन प्रभाग, पंचेत के वन प्रभाग बिष्णुपुर, पश्चिम बंगाल के कार्मिक

नाजुक मरुस्थलीय पारितंत्र के संवहनीय विकास के लिए एकीकृत दृष्टिकोण पर प्रशिक्षण

वानिकी अंतःक्षेपों के माध्यम से दामोदर और सुबर्णरेखा नदियों के कायाकल्प पर प्रशिक्षण

भा.वा.अ.शि.प.– काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरु			
13.	वानिकी और काष्ठ विज्ञान प्रौद्योगिकी पर संवेदीकरण कार्यक्रम	16 दिसंबर 2022	भारतीय लेखापरीक्षा और लेखा विभाग बेंगलुरु के क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र के अधिकारी
14.	काष्ठ प्रौद्योगिकी	19 से 20 दिसंबर 2022	कैसफोस के राज्य वन सेवा अधिकारी प्रशिक्षु

भा.वा.अ.शि.प.– वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट			
15.	*एक्वीलेरिया मैलेक्सेन्सिस* में अगरवुड को शामिल करने के लिए फंगल इनोकुला से जैव फॉर्मूलेशन विकसित करना	1 नवम्बर से 31 दिसंबर 2022	एम.एससी. इंटर्नशिप के छात्र
16.	बांस प्ररोह प्रसंस्करण और मूल्य वर्धन	26 से 28 दिसंबर 2022	सेंट्रल जेल जोरहाट, असम के कैदी
17.	बांस और अगर की खेती और प्रसंस्करण	28 दिसंबर 2022	तिनसुकिया, धेमाजी और शिवसागर जिले के गाँव
भा.वा.अ.शि.प.– उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर			
18.	व.अ.के.– कौशल विकास, छिंदवाड़ा द्वारा अकाष्ठ वनोत्पाद के अच्छी क्षेत्र संग्रह पद्धति/अकाष्ठ वनोत्पाद के संवहनीय कटान विधि	28 दिसंबर 2022	एसएफडी के कार्मिक, वीडीवीके, जेएफएमसी/वन समिति के सदस्य
19.	व.अ.के.– कौशल विकास, छिंदवाड़ा द्वारा महत्वपूर्ण वानिकी प्रजातियों की पौधशाला तकनीक	29 दिसंबर 2022	राज्य वन विभाग, सिवनी के कार्मिक

बांस प्ररोह प्रसंस्करण और मूल्य वर्धन पर प्रशिक्षण

अकाष्ठ वनोत्पाद/संवहनीय कटान विधि के अच्छी क्षेत्र संग्रह पद्धति पर प्रशिक्षण

प्रकाशन

भा.वा.अ.शि.प.– वन जैवविविधता संस्थान, हैदराबाद

- "औषधीय पौधों के नाशी कीट और उनके प्रबंधन" पर विवरणिका।
- "पूर्वी घाटों से औषधीय रूप से महत्वपूर्ण, स्थानिक और लुप्तप्राय वृक्ष प्रजाति – *साइजियम अल्टरनिफोलियम*" पर विवरणिका।

वन विज्ञान केन्द्र के अंतर्गत गतिविधियां

भा.वा.अ.शि.प.– काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरु

- दिनांक 27 दिसंबर 2022 को केवीके बीदर के सहयोग से चंदन आधारित कृषि वानिकी मॉडल पर प्रशिक्षण कार्यक्रम।
- दिनांक 28 दिसंबर 2022 को केवीके, कलबुर्गी के सहयोग से गुलबर्गा में चंदन आधारित कृषि वानिकी मॉडल पर प्रशिक्षण कार्यक्रम।

भा.वा.अ.शि.प.–का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु द्वारा के.वि.के., कलबुर्गी के सहयोग से गुलबर्गा में चंदन आधारित कृषि वानिकी मॉडल पर कैम्पा द्वारा वित्त पोषित व.वि.के. प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया

भा.वा.अ.शि.प.–शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर

दिनांक 21 से 23 दिसंबर 2022 को भा.वा.अ.शि.प.–शु.व.अ.सं, जोधपुर द्वारा वन विज्ञान केन्द्र, बीकानेर व वन विज्ञान केन्द्र, उदयपुर के अंतर्गत वानिकी प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण, विषय शुष्क क्षेत्रों मे कृषि वानिकी, मृदा एवं वर्षा जल संरक्षण पर आफरी जोधपुर में किसानो एव वन कर्मियों के लिए एक तीन दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया।

समझौता ज्ञापन/अनुबंध

- भा.वा.अ.शि.प.–हि.व.अ.सं., शिमला ने दिनांक 21 दिसंबर 2022 को गुणवत्ता अनुसंधान को आगे बढ़ाने और अत्यधिक कुशल मानव संसाधन और आजीविका के अवसरों के निर्माण के लिए प्रस्तावित सहयोग की रूपरेखा प्रदान करने के लिए डॉ. वाई.एस. परमार यूनिवर्सिटी ऑफ हॉर्टिकल्चर एंड फॉरेस्ट्री (वायएसपीयूएचएफ), नौणी, सोलन, हिमाचल प्रदेश के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।
- पार्टिकल बोर्डों के निर्माण के लिए मुद्रा ब्रिकेट का उपयोग करने के लिए भा.वा.अ.शि.प.–का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु और भारतीय रिजर्व बैंक, मुंबई के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

प्रकृति कार्यक्रम

भा.वा.अ.शि.प.– वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून

- भा.वा.अ.शि.प.–व.अ.सं., देहरादून द्वारा दिनांक 1 दिसंबर 2022 को जवाहर नवोदय विद्यालय, बघरा, मुजफ्फरनगर और जवाहर नवोदय विद्यालय, सरधना, मेरठ, उत्तर प्रदेश के प्रधानाचार्य और 7 शिक्षकों के साथ 92 छात्राओं के लिए प्रकृति कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- दिनांक 16 दिसंबर 2022 को जवाहर नवोदय विद्यालय, सहसपुर, देहरादून के कक्षा 8वीं के छात्रों को विभिन्न कचरे से कागज बनाने और प्लास्टिक के स्थान पर कागज के उपयोग के लाभों पर एक व्याख्यान दिया गया।

भा.वा.अ.शि.प.–व.अ.सं., देहरादून द्वारा ज.न.वि., बघरा, मुजफ्फरनगर और ज.न.वि., सरधना, मेरठ, उत्तर प्रदेश की छात्राओं के लिए प्रकृति कार्यक्रम आयोजित किया गया

भा.वा.अ.शि.प.–वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बतूर

- ग्लोबल किड्स प्ले स्कूल, अधिया पब्लिक मैट्रिकुलेशन हायर सेकेंडरी स्कूल, द इंडियन पब्लिक स्कूल, अवतार पब्लिक स्कूल, लिटिल मिलेनियम स्कूल, कोयम्बतूर के 422 स्कूली छात्रों ने दिनांक 2 दिसंबर 2022 को "पक्षियों और प्लास्टिक पर चर्चा" शीर्षक कार्यक्रम में भाग लिया।
- दिनांक 5 दिसंबर 2022 को कोवई विद्या मंदिर, कोयम्बतूर, अंगप्पा सीनियर सेकेंडरी स्कूल, कोयम्बतूर के 160 छात्रों के लिए वन वृक्षों के महत्व पर व्यावहारिक प्रशिक्षण आयोजित किया गया।
- दिनांक 7 दिसंबर 2022 को चेट्टीनाड विद्या मंदिर और अल फितराह इस्लामिक प्री स्कूल, कोयम्बतूर के 88 छात्रों ने वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान के गास वन संग्रहालय का दौरा किया।
- चेट्टीनाड विद्या मंदिर, कोयम्बतूर के 23 स्कूली छात्रों ने 8 दिसंबर 2022 को रोपण तकनीक और सामग्री पर व्याख्यान में भाग लिया।
- अमृता विद्यालयम कोयम्बतूर के 223 छात्रों ने 23 दिसंबर 2022 को भा.वा.अ.शि.प.–व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बतूर के गास वन संग्रहालय का दौरा किया।

भा.वा.अ.शि.प.– काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरु

भा.वा.अ.शि.प. के प्रकृति कार्यक्रम के तहत, रानी लक्ष्मी बाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, झांसी के बीएससी वानिकी के लगभग 46 छात्रों ने 15 दिसंबर 2022 को का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु में ज़ाइलेरियम, काष्ठ कार्यशाला, काष्ठ संग्रहालय और एडब्ल्यूटीसी का दौरा किया।

रानी लक्ष्मी बाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, झाँसी के बी.एससी. वानिकी के छात्रों ने भा.वा.अ.शि.प.–का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु का दौरा किया

भा.वा.अ.शि.प.– वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट

- भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं., जोरहाट ने 9 दिसंबर 2022 को जैव विविधता संरक्षण पर एक कार्यक्रम आयोजित किया और जवाहर नवोदय विद्यालय, डिब्रूगढ़, असम में स्कूली छात्रों द्वारा बैम्बूसा वामिन के पौधे लगाए गए।

भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं., जोरहाट में स्कूली छात्रों और अधिकारियों ने *बैंबूसा वामिन* की पौध का रोपण किया गया

- भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं., जोरहाट ने 12 दिसंबर, 2022 को भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं., जोरहाट में 'कार्यस्थल पर महिलाओं का यौन उत्पीड़न' (रोकथाम, निषेध, निवारण अधिनियम, 2013) पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया।
- तेलपानी आदर्श एमई स्कूल, देवघरिया, नामती, जोरहाट, असम के 38 छात्रों ने 14 दिसंबर 2022 को भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं., जोरहाट का दौरा किया।
- नजीरा एच.एस. एंड एमपी स्कूल, शिवसागर, असम के 27 छात्रों ने 14 दिसंबर 2022 को भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं., जोरहाट का दौरा किया।
- लिचुबारी जातीय विद्यालय, जोरहाट, असम के 40 छात्रों ने 14 दिसंबर 2022 को भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं., जोरहाट का दौरा किया।
- भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं., जोरहाट ने 15 दिसंबर, 2022 को प्रकृति कार्यक्रम के तहत केंद्रीय विद्यालय, मियाओ, चांगलांग, अरुणाचल प्रदेश में स्कूली छात्रों के लिए प्राकृतिक वन संसाधन और उत्तर–पूर्व क्षेत्र और कीट की दुनिया पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया।

भा.वा.अ.शि.प.–तटीय पारिस्थितिक तंत्र केन्द्र, विशाखापत्तनम

भा.वा.अ.शि.प.–व.जै.सं., हैदराबाद के अंतर्गत भा.वा.अ.शि.प.–तटीय पारिस्थितिक तंत्र केन्द्र, विशाखापत्तनम द्वारा 2 दिसंबर, 2022 को मानव कल्याण के लिए जैव विविधता के महत्व और संरक्षण और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों पर नौसेनबाग केंद्रीय विद्यालय नंबर 1 के छात्रों के बीच व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शिक्षकों सहित कुल 120 छात्र उपस्थित थे।

भा.वा.अ.शि.प.–बांस एवं बेंत केन्द्र, आइज़ॉल

भा.वा.अ.शि.प.–बांस एवं बेंत केन्द्र, आइज़ॉल द्वारा 2 दिसंबर 2022 को जवाहर नवोदय विद्यालय, चम्फाई, खौज़ौल, जिला–खौज़ौल, मिजोरम में प्रकृति के तहत एक दिवसीय वैज्ञानिक–छात्र संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में स्कूल के कक्षा 10, 11 और कक्षा 12 के छात्रों और शिक्षकों ने भाग लिया।

जागरूकता एवं प्रदर्शन कार्यक्रम

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून

भा.वा.अ.शि.प., देहरादून द्वारा 5 दिसंबर 2022 को जागरूकता और संवेदीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यस्थल पर महिलाओं के प्रति सभी प्रकार की हिंसा और विसंगतियों को खत्म करने पर भी एक व्याख्यान दिया गया। कार्यक्रम में भा.वा.अ.शि.प. और वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून के अधिकारियों ने भाग लिया।

भा.वा.अ.शि.प., देहरादून द्वारा जागरूकता और संवेदीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया

भा.वा.अ.शि.प.–हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला

- भा.वा.अ.शि.प.–हि.व.अ.सं., शिमला द्वारा 7 दिसंबर 2022 को बड़ागांव, शिमला में कृषि वानिकी पर एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। डेमो गांव बड़ागांव, राजना पंचायत, शिमला (हिमाचल प्रदेश) के प्रगतिशील किसानों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

भा.वा.अ.शि.प.–हि.व.अ.सं., शिमला द्वारा कृषि–वानिकी पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया

- भा.वा.अ.शि.प.–हि.व.अ.सं., शिमला द्वारा 8 दिसंबर 2022 को कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 पर एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वैज्ञानिकों, अधिकारियों, तकनीकी, गैर–तकनीकी और अनुसंधान सहायक कर्मचारियों ने भाग लिया।
- कॉलेज ऑफ फॉरेस्ट्री, नवसारी कृषि विश्वविद्यालय, गुजरात के दो संकाय सदस्यों के साथ 37 बी.एससी. वानिकी (ऑनर्स) के छात्रों के एक बैच ने 26 दिसंबर 2022 को हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला का दौरा किया।

भा.वा.अ.शि.प.– वन उत्पादकता संस्थान, रांची

भा.वा.अ.शि.प.–व.उ.सं., रांची द्वारा 27 दिसंबर 2022 को कुटम गांव में एक प्रदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में झारखंड के कुटम गांव के किसानों ने भाग लिया।

भा.वा.अ.शि.प.–.व.उ.सं., रांची द्वारा कुटम गांव में एक प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया

भा.वा.अ.शि.प.– वन जैवविविधता संस्थान, हैदराबाद

- भा.वा.अ.शि.प.–व.जै.सं., हैदराबाद द्वारा 12 दिसंबर 2022 को कॉलेज ऑफ हॉर्टिकल्चर एंड यूनिवर्सिटी, रानी लक्ष्मी बाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, झांसी, उत्तर प्रदेश के बीएससी (ऑनर्स) वानिकी के छात्रों के साथ आधे दिन के संवाद सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कुल 28 विद्यार्थियों ने भाग लिया।
- भा.वा.अ.शि.प.–व.जै.सं., हैदराबाद द्वारा 29 दिसंबर 2022 को बागवानी और वानिकी कॉलेज, डॉ. यशवंत सिंह परमार बागवानी और वानिकी विश्वविद्यालय, हिमाचल प्रदेश के बीएससी (ऑनर्स) वानिकी के छात्रों के साथ आधे दिन के संवाद सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कुल 40 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

भा.वा.अ.शि.प.– उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर

- भा.वा.अ.शि.प.–उ.व.अ.सं., जबलपुर द्वारा 7 दिसंबर 2022 को रानी लक्ष्मी बाई सेंट्रल एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ हॉर्टिकल्चर, झांसी (उत्तर प्रदेश) के 26 (बीएससी वानिकी) छात्रों के लिए प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित किया गया।
- बीएससी (बॉटनी) गवर्नमेंट पीजी कॉलेज, छिंदवाड़ा (मध्य प्रदेश) के 20 छात्रों के एक समूह ने 13 दिसंबर 2022 को भा.वा.अ.शि.प–उ.व.अ.सं., जबलपुर, जबलपुर का दौरा किया।

राजकीय पीजी कॉलेज, छिंदवाड़ा के बीएससी (बॉटनी) के छात्रों ने भा.वा.अ.शि.प.–उ.व.अ.सं., जबलपुर का दौरा किया

- बीएससी जूलॉजी एंड बॉटनी ग्रुप गवर्नमेंट साइंस कॉलेज, पांढुर्ना, छिंदवाड़ा (मध्य प्रदेश) के 35 छात्रों ने 14 दिसंबर 2022 को भा.वा.अ.शि.प.– उ.व.अ.सं., जबलपुर का दौरा किया।
- भा.वा.अ.शि.प.– उ.व.अ.सं., जबलपुर में दिनांक 13 दिसंबर 2022 को गुरु रामदास खालसा इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के 45 छात्रों और दिनांक 16 दिसंबर 2022 को श्री राम इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, जबलपुर (मध्य प्रदेश) के फार्मेसी के 60 छात्रों के दो अलग–अलग समूहों के लिए अकाष्ठ वनोत्पाद प्रसंस्करण कार्यक्रम का प्रदर्शन आयोजित किया गया।

संस्थानों का दौरा

- श्री आर. अरुण कुमार, भा.व.से, सचिव, भा.वा.अ.शि.प. ने 2 दिसंबर 2022 को एफआरसी–एलई, अगरतला का दौरा किया।
- भा.वा.अ.शि.प.–व.अ.सं., देहरादून द्वारा 13 दिसंबर 2022 को रॉयल गवर्नमेंट भूटान के 02 विदेशी प्रशिक्षुओं सहित 2022–24 पाठ्यक्रम के 102 भारतीय वन सेवा परिवीक्षाधीन (54वें आरआर) के समूह को संस्थान की अनुसंधान गतिविधियों के संबंध में अवगत कराया गया।

डॉ. शरत चौहान, भा.प्र.से., प्रधान सचिव, अरुणाचल प्रदेश सरकार, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग ने भा.वा.अ.शि.प.–शु.व.अ.सं., जोधपुर का दौरा किया

- डॉ. शरत चौहान, भा.प्र.से. अधिकारी, अरुणाचल प्रदेश सरकार, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन विभाग के प्रधान सचिव ने दिनांक 14 दिसंबर 2022 को भा.वा.अ.शि.प.–शु.व.अ.सं., जोधपुर के मॉलिक्यूलर लैब, टिश्यू कल्चर लैब, आईपीएमएस लैब, सेंट्रल लैब, गुग्गल परिक्षण, वीएमजी शीशम क्लोन और व्याख्या केंद्र का दौरा किया।

वन रक्षक प्रशिक्षुओं (68 बैच) ने निदेशक के साथ भा.वा.अ.शि.प.–शु.व.अ.सं., जोधपुर के व्याख्या केन्द्र, शीशम क्लोन के वीएमजी, गुग्गल रोपणी और मॉडल पौधशाला का दौरा किया

- निदेशक, वन प्रशिक्षण संस्थान, चैल, सोलन हिमाचल प्रदेश के साथ 48 वन रक्षक प्रशिक्षुओं (68वें बैच) ने 16 दिसंबर 2022 को भा.वा.अ.शि.प.–शु.व.अ.सं., जोधपुर के व्याख्या केंद्र, शीशम क्लोन के वीएमजी, गुग्गल बागान और मॉडल पौधशाला का दौरा किया।
- कर्नाटक वन अकादमी, धारवाड़ के एसीआरएफ और आरएफओ के साथ 46 आरएफओ प्रशिक्षुओं के 8वें बैच ने 16 दिसंबर 2022 को भा.वा.अ.शि.प.–का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु में टिशू कल्चर लैब, ज़ायलेरियम, काष्ठ कार्यशाला, काष्ठ संग्राहलय और उन्नत काष्ठ प्रशिक्षण केन्द्र का दौरा किया।
- श्री लोक रंजन, भा.प्र.से., सचिव, उत्तर पूर्वी क्षेत्र विकास मंत्रालय ने भा.वा.अ.शि.प., देहरादून का दौरा किया और 24 दिसंबर 2022 को संवहनीय विकास और आजीविका संवृद्धि में वानिकी की भूमिका के लिए महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प. और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ चर्चा की।
- श्री ए.एस. रावत, महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प., देहरादून ने राष्ट्रीय हिमालयी अध्ययन मिशन द्वारा वित्त पोषित 26 दिसंबर 2022 को नामसाई जिले, अरुणाचल प्रदेश के कृषि वानिकी परियोजना स्थल का दौरा किया।
- श्री ए.एस. रावत, महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प., देहरादून ने 27 दिसंबर 2022 को भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं., जोरहाट का दौरा किया। उन्होंने व.व.अ.सं. के चार प्रकाशन का विमोचन किया, जिनमें एक द्विभाषी हिंदी एवं असमिया ई–पत्रिका "वर्षारण्यम", दो पुस्तकें, एक आरएफआरआई रिपोर्ट हैं।
- माननीय श्री न्यायमूर्ति संदीप कुमार, न्यायाधीश, पटना उच्च न्यायालय ने 27 दिसंबर 2022 को भा.वा.अ.शि.प.–का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु का दौरा किया।

विविध

- भा.वा.अ.शि.प.–का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु ने 6 दिसंबर 2022 को डॉ. बी. आर. अंबेडकर को स्मरण करते हुए महापरिनिर्वाण दिवस मनाया।
- भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं., जोरहाट ने 9 और 30 दिसंबर 2022 को परिसर में दो स्वच्छता अभियान चलाए।

आकाशवाणी/दूरदर्शन के माध्यम से लोकप्रियकरण

कार्यक्रम का विषय	चैनल	दिनांक
भा.वा.अ.शि.प.–हि.व.अ.सं., शिमला		
"औषधीय पौधे व उनकी खेती" – डॉ. वनीत जिस्टू, वैज्ञानिक–ई	कृषि दर्शन	20 दिसंबर 2022

मानव संसाधन समाचार

सेवानिवृत्ति

अधिकारी का नाम	दिनांक
श्री के.एस. वेंकटरमनन, वैज्ञानिक–'सी'	31.12.2022
डॉ. अरुंधति बरुआ, वैज्ञानिक – 'सी', भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं., जोरहाट	31.12.2022
श्रीमती सरोज सिसोदिया, पु.सू.स., भा.वा.अ.शि.प.–शु.व.अ.सं., जोधपुर	31.12.2022

संप्रत्यावर्तन

अधिकारी का नाम	दिनांक
श्री बिजय प्रधान, डीसीएफ, भा.वा.अ.शि.प.–व.व.अ.सं., जोरहाट	02.12.2022
श्री वी.एस. शेट्टपनवार, भा.व.सं. (छ:92), सीसीएफ, भा.वा.अ.शि.प.–का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरु	27.12.2022
श्री दिनेश पॉल, डीसीएफ, भा.वा.अ.शि.प.–हि.व.अ.सं., शिमला	31.12.2022

संरक्षक:

श्री अरूण सिंह रावत, महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प., देहरादून

संपादक मंडल:

डॉ. सुधीर कुमार, उप महानिदेशक (विस्तार), अध्यक्ष

डॉ. गीता जोशी, सहायक महानिदेशक (मीडिया एवं विस्तार), मानद सम्पादक

श्री शंकर शर्मा, सहायक निदेशक, (राजभाषा), सदस्य

प्रत्याख्यान

- केवल निजी रूप से प्रसारण करने हेतु।
- वानिकी समाचार में प्रकाशित सामग्री, संपादक मंडल के विचारों को अनिवार्यत: प्रतिबिंबित नहीं करती हैं।
- यहाँ प्रकाशित सूचना के लिए किसी भी प्रकार के नुकसान की भरपाई के लिए भा.वा.अ.शि.प. उत्तरदायी नहीं होगा।